AMAR UJALA-DELHI EDITION

05-11-2011

अन्ना के बाद मजदूर संगठनों का आंदोलन

अमर उजाला 5-11-2011

भारतीय मजदूर संघ का आह्वान, 8 नवंबर को जेल भरो

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार और महंगाई के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बाद मजदूरों ने जेल भरो आंदोलन का आह्वान किया है। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने आंदोलन की शुरुआत के निर्देश सभी इकाइयों को दिए हैं। बीएमएस के महामंत्री बैजनाथ राय का कहना है कि 8 नवंबर को देशभर में विभिन्न मुद्दों पर जेल भरो आंदोलन होगा। इसे 14 केंद्रीय मान्यता प्राप्त संगठनों ने समर्थन दिया है। दिल्ली में 23 नवंबर को देशभर के 2 लाख से अधिक मजदूर जुटेंगे और संसद का घेराव करेंगे।

बीएमएस के महामंत्री बैजनाथ राय, दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष चौधरी जिले सिंह और महामंत्री ऋषिपाल सिंह ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 23 नवंबर को संसद के घेराव की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह आंदोलन सिर्फ मजदूरों तक सीमित नहीं है, बल्कि आम व्यक्ति का आंदोलन बनेगा। भ्रष्टाचार, काले धन, महंगाई और श्रम कानूनों का कड़ाई से पालन कराने के लिए राष्ट्रव्यापी आंदोलन की नींव 2010 से ही तैयार की जा रही है। सभी राज्यों की राजधानी में जेल भरो कार्यक्रम होंगे। सरकार ने पेट्रोल मूल्य को नियंत्रण मुक्त करके महंगाई बढ़ाई है। वर्तमान सरकार का मूल्य पर किसी तरह का नियंत्रण नहीं है। बीएमएस की मांग है कि न्यूनतम और सर्वाधिक वेतन में एक और दस का अनुपात फिक्स किया जाए। औद्योगिक श्रमिकों के लिए न्यूनतम पेंशन 3000 रुपये महंगाई भत्ते से जोड़कर घोषित की जाए। बीएमएस के दिल्ली, यूपी व उत्तराखंड के प्रमुख पवन कुमार ने बताया कि 23 नवंबर के संसद घेराव को देखते हुए तैयारी शुरू हो चुकी है। ब्यूरो